चालीसवाँ भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन

0100 भारतीय समाज विज्ञान अकादमी

भारतीय समाज विज्ञान अकादमी भारतीय समाज विाान अधिवेशन प्रतिवर्ष आयोजन करती है। इसका मुख्य लक्ष्य प्रकृति–मनुष्य–समाज का विज्ञान खोजना, विकसित करना और प्रसारित करना है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए विज्ञान के सभी विषयों में किये जा रहे अनुसंधान/खोज और सिध्दान्त का मूल्यांकन और एकीकरण (भौतिकी, पृथ्वी विज्ञान, रासायनिक, जैवी, कृषि, पर्यावरण, परिस्थितिकी, भूगोल, मानवकी, गणित, अर्थशास्त्र, वाणिज्यशास्त्र, गृह विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, भाषा विज्ञान, विधी विज्ञान, मनोविज्ञान आदि) करना है। भारतीय विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, आई0आई0टी0, आई0आई0आई0टी0, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सभी अनुसंधान संस्थान, मेडिकल कालेज और विश्वविद्यालय, अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान आदि में जो अनुसंधान हो रहा है उसे प्रस्तुत किया जाता है।

'समाज विज्ञान' मे **'समाज'** शब्द का इस्तेमाल 'विज्ञान' के मूल स्वभाव को द्योतित करने के लिए किया जाता है। इसका अर्थ यह है कि विज्ञान का प्रकृति–मनुष्य–समाज के बारे में वस्तुनिष्ठ ज्ञान स्वभावतः **सामाजिक (Social)** है क्योकि इस ज्ञान की खोज सामुहिक श्रम से होता है और जो सामुहिक श्रम से उपजता है वह सामाजिक होता है। मूलतः प्रकृति–मनुष्य–समाज का विज्ञान अविभाज्य और सीमाहीन है। भारतीय समाज विज्ञान इसी दर्शन को भारत के संदर्भ मे यथार्थ करने का प्रयास करता है। इस प्रकार का विज्ञान भारतीय लोगों की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवम् पारस्परिक जीवन को अच्छा करने मे महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है। ऐसा होने पर **'Brain-Drain'** को रोका जा सकता है और भारत पुनः दुनिया में विज्ञान अपना उच्च स्थान हासिल कर सकता है।

0200 चालीसवॉ भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन

भारतीय समाज विज्ञान अकादमी और मैसूर विश्वविद्यालय आगामी दिसम्बर 19–23, 2016 को भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन का चालीसवॉ सत्र मैसूर में करेगे। मैसूर विश्वविद्यालय अपना 100 वर्ष के गौरवमय ज्ञान की खोज की यात्रा का उत्सव मना रहा है। अतएव भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन इस वर्ष विशेष महत्व रखता है।

0300 मुख्य विषय

'भारत में जन स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता' चालीसवॉ भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन का मुख्य विषय है। सभी का यह मानना है कि पिछले 70 वर्षों मे भारत की आर्थिक विकास अन्य देशों की तुलना में काफी तेजी से हुआ है। आज भारत एक बहुत बड़ा शक्तिशाली देश है और **'सुपर पावर'** की अभिलाषा पूर्ति के कागार पर है। इसका अर्थ यह है कि आधुनिक भारत में सभी लोगों का अच्छा स्वास्थ्य होगा, सभी लोगों की जीवनशैली काफी अच्छी होगी, कोई भूखा–नंगा नही होगा, कोई कुपोषण या अर्धपोषण का शिकार नही होगा, अस्पतालों मे रोगियों की संख्या नाममात्र की होगी, सभी को मुफ्त और आसानी से स्वास्थ्य सुविधा अस्पतालों मे उपलब्ध होगी, मेडिकल कालेजों और विश्वविद्यालयों मे अच्छी, सस्ती और बेहतर शिक्षा और अनुसंधान की व्यवस्था होगी। इस प्रकार के अनेकों प्रश्नों का सही उत्तर

ढूंढने हेतु **'भारत मे जनस्वास्थ्य और जीवन गुणवत्ता'** पर चालीसवां भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन के दौरान विशेष चर्चा होगी।

चूंकि विज्ञान के सभी विषयों (भौतिकी, पृथ्वी विज्ञान, भूगोल, रासायनिक, जैवी, कृषि, पर्यावरण, परिस्थितिकी, अभियांत्रिकी/प्रौद्योगिकी, गणित, अर्थशास्त्र, वाणिज्यशास्त्र, समाजशास्त्र, पुरातत्व इतिहास, मानवकी, मनोविज्ञान आदि) के ज्ञान से 'आर्युविज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान (Medical And Health Science) की रचना होती है, इसलिए सभी विषयों में होने वाले अनुसंधान और आर्युविज्ञान और स्वास्थ्य विाान के सम्बन्धों की खोजबीन आवश्यक है। जिस तरह से इन सब विषयों का वैज्ञानिक ज्ञान जन–स्वास्थ्य और जीवन शैली को प्रभावित करता है, उसे जानना आवश्यक है। इस संदर्भ मे अधोलिखित प्रश्न की खोज आवश्यक हैः

1. आज के भारत में भारतीय वैज्ञानिक ज्ञान और आधुनिक स्वास्थ्य का वैज्ञानिक ज्ञान मे क्या सम्बन्ध है?
2. आधुनिक आर्युविज्ञान/स्वास्थ्य विज्ञान और प्राचीन/परम्परागत देशी स्वास्थ्य विज्ञान के बीच कैसा सम्बन्ध है? आर्युवेद, सिध्द, यूनानी और योग का आधुनिक आर्युविज्ञान और स्वस्थ्य विज्ञान से क्या सम्बन्ध है?
3. स्वास्थ्य विज्ञान और आर्युविज्ञान का जनस्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ा है?
4. आज भारत की जनता का स्वास्थ्य और जीवन कैसा है?
5. स्वास्थ्य रक्षा की संस्थाओं की संरचना और मूल ढांचा कैसी है? क्या वगैर किसी प्रकार के भेदभाव की इन संस्थाओं में सभी भारतीयों को आसानी से स्वास्थ्य लाभ मिलता है?
6. किस तरह से दवा उद्योग भारतीय जन स्वास्थ्य को प्रभावित करता है? दवा उद्योग, बाजार, स्वास्थ्य, रक्षा करने वालों संस्थानों और डाक्टरों के बीच कैसा सम्बन्ध है?
7. राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति कैसी है? इस नीति का भारतीय जन स्वास्थ्य की आवश्यकताओं से क्या सम्बन्ध है।
8. जड़ी–बूटी में होने वाले अनुसंधान का भारतीय स्वास्थ्य रक्षातंत्र की रचना में क्या भूमिका है?
9. 'सभी के स्वास्थ्य' नारे का क्या हुआ?
10. क्या सभी भारतीयों को स्वच्छ पेयजल, पौष्टिक भोजन, स्वच्छ घर, स्वच्छ हवा, स्वच्छ पर्यावरण आदि उपलब्ध है?
11. भारत मे रोगो की क्या दशा है? क्या मलेरिया (Tuberclosis), कैंसर, हृदय रोग, फ्लू, डेंगू, आदि रोगों मे घटाव आया है? इस सम्बन्ध में भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद के अनुसंधान संस्थानों की क्या योगदान है?

0400 ध्येय

'भारत मे जन स्वास्थ्य और जीवनशैली की गुणवत्ता' पर आयोजित चर्चा का आधोलिखित प्रमुख लक्ष्य हैः–

0401: आर्युविज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान तथा विज्ञान के अन्य विषयों के बीच के अर्न्तसम्बन्ध का मूल्यांकन करना।

0402: आर्युविज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान की वर्तमान दशा और भारतीय जनता की स्वास्थ्य आवश्यकता/समस्या से उसके सम्बन्ध और उपयोगिता का निर्धारण करना।

0403: परम्परागत स्वास्थ्य विज्ञान और आधुनिक भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान के बीच के सम्बन्ध का निर्धारण करना।

0404: राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति बनाम जनस्वास्थ्य आवश्यकता/समस्या का मूल्यांकन करना।

0405: भारतीय स्वास्थ्य और आर्युविज्ञान स्वास्थ्य रक्षा वाली संस्थानों की भारतीय जनता के लिए उपयोगिता, आवश्यकता और वैधता का पता लगाना।
0406: भारत की जनता के स्वास्थ्य और जीवन शैली गुणवत्ता की दशा का मूल्यांकन करना।
0407: पिछले 70 वर्ष के आर्थिक विकास का भारतीय जनता के स्वास्थ्य पर प्रभाव का पता लगाना।
0408: स्वास्थ्य निजीकरण, वणीज्यकरण का जन स्वास्थ्य की देखभाल पर पड़ने वाले प्रभाव का पता करना।
0409: अफ्रीका–एशिया–लैटिन अमेरिका, यूरोप, आस्ट्रेलिया और उत्तरी अमेरिका की जनता के स्वास्थ्य और जीवन शैली गुणवत्ता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
0410: जन स्वास्थ्य और स्वास्थ्य विज्ञान के नये सिध्दान्त और उपाय की खोज।
0411: अन्य कोई

0500 मुख्य विषय

'जन स्वास्थ्य और जीवन शैली गुणवत्ता' पर चर्चा के आधोलिखित मुख्य विषय हैः–

0501: भारतीय लोकतांत्रिक गणराज्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का इतिहास, दर्शन और जन स्वास्थ्य पर प्रभाव।
0502: आर्युविज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान की वर्तमान दशा।
0503: आधुनिक आर्युविज्ञान और स्वास्थ्य विाान का भारत मे इतिहास, दर्शन और उसका परम्परागत/प्राचीन आर्युविज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान से सम्बन्ध।
0504: स्वास्थ्य देखभाल तंत्र, उनकी उपयोगिता, पहुंच और वैधता।
0505: भारतीयों के स्वास्थ्य और जीवन शैली गुणवत्ता का हाल।
0506: अफ्रीका–एशिया–लैटिन अमेरिका, यूरोप, आस्ट्रेलिया और उत्तरी अमेरिकी लोगों के स्वास्थ्य एवं जीवन शैली गुणवत्ता।
0507: लोकतांत्रिक भारत मे आर्थिक विकास का जन स्वास्थ्य और जीवन शैली गुणवत्ता पर प्रभाव।
0508: दवा उद्योग का जन स्वास्थ्य और आर्युविज्ञान अनुसंधान पर प्रभाव
0509: सार्वजनिक बनाम निजी स्वास्थ्य शिक्षा और देखभाल का तुलनात्मक लाभ–हानि।
0510: तंत्रीय एवं गैर तंत्रीय जन स्वास्थ्य की समस्याऐं।
0511: प्रमुख बीमारियां और उनका निदान।
0512: जन स्वास्थ्य के नये सिध्दान्त और उपागम की खोज।

0600 अनुसंधान समिति

चालीसवें भारतीय अधिवेशन में 28 विषय अनुसंधान समितियां हैं। सभी समितियां दो प्रकार के अनुसंधानों पर चर्चा करेंगी। **(क)** जो अनुसंधान **'जन स्वास्थ्य और जीव शैली गुणवत्ता'** से सम्बन्धित हों और **(ख)** अपने विषय के भीतर सभी प्रकार के अनुसंधानों और सिद्वान्तों पर किये जा रहे अनुसंधान पर। नीचे सभी अनुसंधान समितियों में प्रस्तावित विषय का उल्लेख है। इनके बारे मे अन्य विस्तार पृष्ठ 35-40 पर दर्ज है।

1. कृषि विज्ञान अनुसंधान समिति
2. मानव विज्ञान अनुसंधान समिति
3. पुरातत्व और इतिहास अनुसंधान समिति
4. जैविक या लाइफ साइंस अनुसंधान समिति
5. जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान समिति
6. रासायनिक विज्ञान अनुसंधान समिति
7. वाणिज्य अनुसंधान समिति
8. संचार और पत्रकारिता अनुसंधान समिति

9. कंप्यूटर साइंस अनुसंधान समिति
10. पृथ्वी विज्ञान (समुद्रीय, समुद्री, मौसम विज्ञान, आदि) और ग्रह/खगोल विज्ञान अनुसंधान समिति
11. पारिस्थितिकी और पर्यावरण विज्ञान अनुसंधान समिति
12. अर्थशास्त्र अनुसंधान समिति
13. शिक्षा अनुसंधान समिति
14. इंजीनियरिंग/अभियांत्रिकी / प्रौद्योगिकी विज्ञान अनुसंधान समिति
15. भूगोल अनुसंधान समिति
16. गृह विज्ञान अनुसंधान समिति
17. अंतर्राष्ट्रीय संबंध, प्रतिरक्षा और अस्ट्रेटिजियम अध्ययन अनुसंधान समिति
18. न्यायिक विज्ञान अनुसंधान समिति
19. भाषाविज्ञान अनुसंधान समिति
20. प्रबंधन विज्ञान अनुसंधान समिति
21. गणितीय और सांख्यिकीय विज्ञान अनुसंधान समिति
22. आर्युविज्ञान एवं स्वास्थ्य विज्ञान अनुसंधान समिति
23. दर्शन अनुसंधान समिति
24. भौतिक विज्ञान अनुसंधान समिति
25. राजनीति विज्ञान अनुसंधान समिति
26. मनोविज्ञान अनुसंधान समिति
27. सामाजिक कार्य अनुसंधान समिति
28. समाजशास्त्र अनुसंधान समिति

0700 अर्न्तविषयी विषय पैनल

चालीसवॉ भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन में 21 विषयों के अर्न्तविषयी पैनल है। एक ही विषय पर अनेक विषयों के विज्ञानी अनुसंधान करते है। इस तरह के सभी अनुसंधानों का मूल्यांकन के द्वारा वैज्ञानिक सिध्दान्त का प्रतिपादन करना और समस्याओं का सही हल ढूंढना प्रत्येक पैनल का लक्ष्य है। ये पैनल निम्नलिखित हैः–

1. द्वन्द, युद्ध, शांति और सामाजिक सुरक्षा
2. लोकतंत्र और मानवाधिकार
3. पारिस्थितिकी और पर्यावरण रक्षा आन्दोलन
4. विज्ञान और समाज की नैतिकता
5. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन
6. विज्ञान का इतिहास और दर्शन
7. सूचना प्रौद्योगिकी, जन संचार और संस्कृति
8. संगठित और असंगठित क्षेत्रों में श्रम
9. राष्ट्र, राज्य और उभरती चुनौतियां
10. प्राकृतिक संसाधनए जैव विविधता और भौगोलिक सूचना प्रणाली
11. पेटेंट कानून और बौद्धिक संपदा अधिकार

12. लोक, (दलित, जनजाति, महिला, किसान, आदि) संघर्ष और समानता पर आधारित लोकतांत्रिक समाज के लिए आन्दोलन
13. लोक/जन स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता
14. किसान, आजीविका और भूमि का उपयोग
15. भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था
16. जनसंख्या, गरीबी और प्रवासन
17. ग्रामीण प्रौद्योगिकी, सामाजिक एवं ग्रामीण विकास संगठन
18. विज्ञान संचार और विज्ञान को प्रसार
19. सामाजिक प्रक्रियाओं, सामाजिक ढांचा और सामाजिक विलगाव की भावना
20. विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास
21. प्रकृति–मनुष्य–समाज विज्ञान की एकता

0800 अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी

भारतीय समाज विज्ञान अकादमी और मैसूर विश्वविद्यालय ने अधोलिखित विषयों पर चालीसवां भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन के अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी आयोजन करने का निर्णय लिया हैः–

I. विज्ञान को पुनः स्थापित करनाः जीनोम हत्या को रोकना और पलटना

II. विज्ञान और आज की दुनियां

इनके बारे में विवरण पृष्ठ संख्या 52-55 पर है। जो विज्ञानी आणविकी/कोशकीय जीव विज्ञान, जीन विज्ञान, जीन प्रौद्योगिकी, जी0एम0 फसल, टीका, आदि पर अनुसंधान कर रहे है वे अपने अनुसंधान लेख **'विज्ञान को पुनः स्थापित करनाः जीनोम हत्या को रोकना और पलटना'** गोष्ठी के लिए भेज सकते है।

मूलतः प्रकृति–मनुष्य–समाज का विज्ञान मुक्तिदायी है। मनुष्य विज्ञान के ज्ञान के जरिये अपनी भूख, प्यास, कपड़ा, घर, स्वास्थ्य आदि समस्यओं का हल ढूढ लेता है। समाज में अमन, चैन और शान्ति होती है। परन्तु प्रकृति–मनुष्य–समाज विज्ञान में अत्याधिक विकास होने के बावजूद आज भी दुनिया मे भारी संख्या मे लोग भूखे–नंगे है। चारो तरफ बालत्कार, हत्या, लूटपाट और हिंसा बढ रही है। दुनियां को विध्वंस करने वाले हथियारों को बनाने की होड़ लगी है। ऐसा क्यों? जो विज्ञानी इन विषयों पर विशेष सोच रखते है वे **'विज्ञान और आज की दुनिया'** की गोष्ठी मे अपना लेख भेजने के लिए सादर आमंत्रित है।

इस गोष्ठी का विवरण पृष्ठ 52-55 पर दिया है।

0900 राष्ट्रीय गोष्ठी

चालीसवां भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन मे अधोलिखित विषयों पर अर्न्तविषयी गोष्ठी/परिचर्चा होगीः–

1. भोजन विज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान
2. आदिवासी जन का स्वास्थ्य और जीवन शैली गुणवत्ता
3. प्राचीन/परम्परागत स्वास्थ्य विज्ञान और आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान के बीच सम्बन्ध
4. आधुनिक कर्नाटक और वहां के लोग/ जनता
5. आज हमारे विश्वविद्यालय
6. आर्युविज्ञान मानव की मानव जीवन गुणवत्ता को बढाने मे भूमिका

इनको विवरण पृष्ठ 56–61 पर दिया है। जो विज्ञानी इनमें से किसी गोष्ठी में भाग लेना चाहते है वे अपना शोधपत्र भेजने के लिए सादर आमंत्रित हैं।

1000 छठवां अखिल भारतीय युवा विज्ञानी सम्मेलन

छठवां अखिल भारतीय युवा विज्ञानी सम्मेलन का आयोजन दिसम्बर 19–23, 2016 के बीच मैसूर विश्वविद्यालय मे होगा। पैंतीस वर्ष तक उम्र के विज्ञानी इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित है। युवा विज्ञानियों के अनुसंधान, अध्यापन और संरचनात्मक क्षमता की विकास से जुड़ी समस्या पर युवा विज्ञानी अपने विचार इस सम्मेलन में प्रस्तुत करने के लिए सादर आमंत्रित है।

जो युवाविज्ञानी इस सम्मेलन मे भाग लेने के लिए इच्छुक हैं वे इसके अध्यक्ष और संयोजक से सम्पर्क करें।

1 अध्यक्षः प्रो0 सन्तोष के0 कार
स्कूल आफ बायोटेक्नोलाजी
KIIT विश्वविघालय,
कैम्पस – II, पाटिया
भुवनेश्वर – 751024
E-mail:
santoshkariis@rediffmail.com

2 संयोजकः डा0 के0 चीट्टीबाबू
सेन्टर फार स्टडी आफ लेबर,
स्कूल आफ सोशल साइन्सेज,
जवाहरलाल नेहरु विश्वविघालय,
नई दिल्ली – 110067
E-mail:
chitti4479@gmail.com

1100 शोध–लेख

विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, मेडिकल कालेज, मेडिकल एवम् हेल्थ विश्वविद्यालय, आई0आई0टी0, आई0आई0आई0टी0, एन0आई0टी0, इंजीनियरिंग कालेज, अखिल भारतीय आर्युविज्ञान, पी0जी0आई0, वैज्ञानिक प्रौद्योगिक अनुसंधान परिषद के सभी संस्थान, प्रयोगशालायें, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सभी संस्थान, भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद के सभी संस्थान, भारतीय आर्युविज्ञान परिषद के सभी संस्थान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सभी संस्थान, भारतीय विज्ञान शिक्षा अनुसंधान संस्थान (IISER) आदि में अनुसंधान कर रहे अध्यापक, विज्ञानी और छात्र अपने–अपने शोध लेख चालीसवॉ भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन में प्रस्तुत करने के लिए सादर आमंत्रित है। शोधलेख का प्रस्तावित विषयों से सम्बन्धित होना आवश्यक नही है। जो लोग प्रस्तावित मुख्य विषयों पर कई सालों से अनुसंधान कर रहे हैं, वे विशेष रूप से अपने शोधपत्र भेजने के लिए आमंत्रित है।

प्रत्येक लेख की तीन प्रति, सी0डी0 और सारांश जनरल सेक्रेटरी भारतीय समाज विाान अकादमी को भेजना चाहिए। सारांश को ई–मेल के द्वारा भी भेजा जा सकता है। प्रत्येक लेख/सारांश की एक प्रति जिस अनुसंधान समिति/पैनल/गोष्ठी से सम्बन्धित हो उसके अध्यक्ष को भी भेजना चाहिए। इससे लेख का सम्पादन त्वारित गति से हो पाता ळें

लेख का सारांश 500 शब्दों के भीतर देना चाहिए। सारांश में अनुसंधान से प्राप्त परिणाम का संक्षिप्त वर्णन होना चाहिए। परिशिष्ट में दिये गये फार्म पर सारांश भेजना चाहिए।

किसी भी लेख की अधिकतम सीमा 7000 शब्द है। **लेख के साथ घोषणापत्र को भेजना आवश्यक है।** दूसरों के अनुसंधान लेख से चोरी करके या इन्टरनेट से नकल करके लेख भेजना अपराध है। पकड़े जाने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी सम्बन्धित विज्ञानी/लेखक की होगी।

1200 लेख जमा करने की तिथि

शोध लेख का सारांश भेजने की अन्तिम तिथि 30 सितम्बर, 2016 और सम्पूर्ण शोध लेख के भेजने की अन्तिम तारीख 31 अक्टूबर, 2016 है। इसके बाद भी 10 दिसम्बर, 2016 तक लेख भेजे जा सकते है। चालीसवॉ भारतीय समाज विज्ञान के दौरान कोई लेख नही लिया जायेगा। देर से प्राप्त लेख अधिवेशन के समाप्त होने पर छापे जायेंगे।

1300 स्वर्ण पदक

चालीसवॉ भारतीय समाज विज्ञान में प्रस्तुत शोधपत्रों में से दो सबसे अधिक अच्छे लेखों को स्वर्ण पदक जिया जायेगा। ये स्वर्ण पदक हैः– **वी0वी0 रंगाराव स्वर्ण पदक** और **ए0के0थैरियन स्वर्ण पदक।**

1400 चालीसवॉ वर्ष समारोह

भारतीय समाज विज्ञान अकादमी का 42 वर्ष और भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन 40 वर्ष का राष्ट्रीय समारोह 19 दिसम्बर, 2016 को सायं 0700 बजे मैसूर विश्वविद्यालय में होगा। भारतीय समाज विज्ञान अकादमी के सभी सदस्य और इसके शुभेच्छु भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित है।

यह अवसर आत्मनिरीक्षण का है। अभी तक भारतीय समाज विज्ञान अकादमी ने भारत मे **'प्रकृति–मनुष्य–समाज'** के विज्ञान को विकसित और प्रसारित करने के लिए जो कुछ कार्य किये है, उनका वस्तुनिष्ट मूल्यांकन आवश्यक है। आगे क्या करना चाहिये को भी सुनिश्चित करना चाहिए। अतएव सभी सदस्यों से निवेदन है कि वे अपने विचार 1000 शब्दों में भेजे। लिखते समय निम्न तीन सवालों को ध्यान मे रखेः–

1. भारतीय समाज विज्ञान अकादमी आज क्या है?
2. भारतीय समाज विज्ञान अकादमी क्या होगी?
3. भारतीय समाज विज्ञान अकादमी को क्या होना चाहिये?

जो सदस्य अपने प्रियजनों के नाम पर स्वर्णपदक/स्मृतिभाषण के लिए एक मूठ दान देना चाहते है उन्हे जनरल सेक्रेटरी से सम्पर्क करना चाहिए। इस प्रकार के दान पर धारा 80 (G) के तहत आयकर से छूट उपलब्ध है।

1500 आवास और भोजन

प्रत्येक पंजीकृत प्रतिभागी को मुफ्त में मैसूर विश्वविद्यालय के छात्रावास/अतिथि भवन मे रहने और भोजन की सुविधा होगी। यह सुविधा 18 दिसम्बर से 24 दिसम्बर के प्रातः 0900 बजे तक उपलब्ध रहेगी। प्रत्येक इच्छुक प्रतिभागी को परिशिष्ट में दिया गया 'Food and Accommodaation Form' भरकर स्थानीय संगठन सचिव, मैसूर विश्वविद्यालय को 10 दिसम्बर, 2016 के पहले भेजना चाहिये।

1600 यातायात

चालीसवॉ भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन की संगठन समिति मैसूर के बाहर से आने वाले प्रतिभागियों को मैसूर रेलवे स्टेशन/बस स्टेशन से होस्टल/अतिथि भवन तक ले जाने के लिए यातायात की उचित व्यवस्था करेगी। स्टेशन पर बैनर के साथ स्वयं सेवी तैनात रहेंगे। बैंगलोर/बैंगलूरू हवाई अड्डा से मैसूर के लिए विशेष बस सेवा उपलब्ध है। जहां से बस शुरू होती है उसी के पास एक अच्छी और सस्ती भोजन की कैंटिन भी है।

यातायात सुविधा हासिल करने के लिए परिशिष्ट मे दिये गये 'Travel Form' को भरकर स्थानीय संगठन सचिव को 10 दिसम्बर, 2016 के पहले भेजना चाहिये और उनसे फोन पर सम्पर्क करना चाहिये।

1700 मैसूर दर्शन

मैसूर अत्यन्त सुन्दर और रोमांचिकारी है। यहां अनेक ऐतिहासिक दर्शनीय स्थल है। चालीसवॉ भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन के प्रतिभागियों को मैसूर दर्शन के लिए 18 दिसम्बर, 2016 और 24 दिसम्बर, 2016 को विशेष व्यवस्था रहेगी। जो प्रतिभागी मैसूर दर्शन करना चाहते है उन्हे स्थानीय संगठन सचिव से सम्पर्क करना चाहिये। संगठन समिति यह आशा करती है कि प्रतिभागी अधिवेशन के दौरान मैसूर घूमने नहीं जायेंगे।

1800 पंजीकरण/रजिस्ट्रेशन

चालीसवॉ भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन मे भाग लेने के लिए सभी प्रतिभागियों को पंजीकरण कराना आवश्यक है। पंजीकरण का विवरण नीचे दिया गया हैः

वर्ग	नवम्बर 30, 2016 के तक	दिसम्बर 01, 2016 से

1. सदस्य प्रतिभागी	Rs. 3,000.00	Rs. 3,500.00
2. गैर सदस्य प्रतिभागी	Rs. 4,000.00	Rs. 4,500.00
3. संस्थागत सदस्य (तीन तक)	Rs. 10,000.00	Rs. 12,000.00
4. गैर संस्थागत सदस्य (तीन तक)	Rs. 15,000.00	Rs. 18,000.00
5. सदस्य छात्र प्रतिभागी	Rs. 2,000.00	Rs. 2,500.00
6. गैर सदस्य छात्र प्रतिभागी	Rs. 2,500.00	Rs. 3,000.00
7. स्थानीय प्रतिभागी	Rs. 2,000.00	Rs. 2,500.00
8. विदेशी प्रतिभागी		
अफ्रीका–एशिया–लैटिन अमेरिका	Rs. 5,000.00	Rs. 6,000.00
अन्य देश (उत्तरी अमेरिका और यूरोप)	US $ 500.00	US $ 600.00
9. साथी		
भारतीय	Rs. 2,000.00	Rs. 2,500.00
अफ्रीका–एशिया–लैटिन अमेरिका	Rs. 2,500.00	Rs. 3,000.00
अन्य देश (उत्तरी अमेरिका और यूरोप)	US $ 200.00	US $ 250.00

जो अभी भारतीय समाज विज्ञान अकादमी के सदस्य नही है, पर सदस्य बनना चाहते है वे पंजीकरण शुल्क के साथ सदस्यता शुल्क भेज सकते है। ऐसी दशा में वे सदस्य के लिए पंजीकरण शुल्क का लाभा उठा सकते हैं।

पंजीकरण और सदस्यता शुल्क 'Indian Academy of Social Scieneces' के नाम से होना चाहिए और रजिस्टर्ड डाक से जनरल सेक्रेटरी, इन्डियन एकेडमी आफ सोशल साइन्सेज इलाहाबाद को भेजना चाहिए।

सभी पंजीकृत प्रतिभागी को मुफ्त में आवास, भोजन, यातायात, साहित्य प्राप्ति का लाभ मिलेगा।

बाहर के प्रतिभागी को समय के रहते पंजीकरण कराने से मुफ्त आवास की सुविधा निश्चित है। परन्तु जो बाहर के प्रतिभागी 19 दिसम्बर, 2016 को पंजीकरण करायेगें उन्हे मुफ्त में आवास देना असंभव हो सकता हैं। अतएव सभी बाहरी प्रतिभागियों को 10 दिसम्बर, 2016 के पहले पंजीकरण करा लेना चाहिए।

जो प्रतिभागी किसी कारणवश भाग लेने में असमर्थ हैं, उन्हे पंजीकृत राशि को वापस करने की सूचना जनरल सेक्रेटरी, भारतीय समाज विज्ञान अकादमी को 15 दिसम्बर, 2016 तक दे देना चाहिए। पंजीकृत शुल्क में 40% कटौती के बाद शेष धनराशि वापस मिलेगी। जो ऐसा नही करते उन्हे भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन का सम्पूर्ण साहित्य भेजा जाएगा।

1900 कार्यक्रम

समय	सूची
0800–	पंजीकरण
0900–1300	फोकल थीम पर आधारित मुख्य विषय पर प्लेनरी
1300–1400	दोपहर का भोजन
1400–1700	**समान्तर अधिवेशन** **1.** 28 विषय अनुसंधान समितियां **2.** 21 अर्न्तविषयी विषय पैनल **3.** अर्न्तविषयी सेमिनार/सिम्पोजिया/कोलोकिया/वर्कशाप **4.** छः वॉ अखिल भारतीय युवा विज्ञानी सम्मेलन

1700–1900	विशेष/सार्वजनिक भाषण सदन की वार्षिक आम बैठक
1900–1930	अवकाश
1930–2030	सांस्कृतिक कार्यक्रम
2030–2130	रात्रि भोजन
2130–2300	टास्क फोर्स की बैठक युवा वैज्ञानी का बैठक तदर्थ समूह चर्चा/अन्य

2000 प्रमाणपत्र

सभी प्रतिभागियों को चालीसवॉ भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन में भाग लेने का **'प्रमाणपत्र'** 23 दिसम्बर, 2016 को दोपहर से दिया जाएगा। प्रमाणपत्र पाने के लिए प्रत्येक प्रतिभागी को **'स्व–मूल्यांकन' रिपोर्ट** रजिस्ट्रेशन काउन्टर पर से 23 दिसम्बर को 10 बजे के पहले तक जमा करना चाहिये।

जो प्रतिभागी किसी कारणवश 23 दिसम्बर के पहले घर वापस जाना चाहते है उन्हे स्थानीय संगठन सचिव और रजिस्ट्रेशन काउन्टर को लिखित सूचना देनी चाहिये। उन्हे अपना डाक पता भी देना चाहिये। उन्हे प्रमाणपत्र बाद मे पंजीकृत डाक से भेजा जाएगा।

2100 किससे सम्पर्क करें?

कृपया अपना शोधपत्र, सदस्यता, रजिस्ट्रेशन निम्र को भेजें:–

डा0 एन0पी0 चौबे
जनरल सेक्रेटरी
भारतीय समाज विज्ञान अकादमी
ईश्वर शरण आश्रम कैंपस
इलाहाबाद 211004
ई–मेल: issaald@gmail.com
फोन नं0: कार्यालय: 0532–2544245
निवास: 0532–2544570
वेबसाइट: www.issaindia.in

कृपया आवास, भोजन, यात्रा एवं मैसूर दर्शन प्रपत्र निम्र को भेजें:–

प्रो0 मुजफ्फर अस्सादी
लोकल आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी
40वॉ भारतीय समाज विज्ञान अधिवेशन
राजनीति विज्ञान विभाग
मैसूर विश्वविद्यालय
मैसूरू 570006
ई–मेल: muzaffar.assadi@gmail.com
मो0 09448186295
वेबसाइट: www.uni-mysore.ac.in

अनुसंधान समितियों, अर्न्तविषयी पैनलें, अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी और राष्ट्रीय गोष्ठी के अध्यक्ष और संयोजक के नाम पृष्ठ 35-50 पर दिये है। आप जिनसे सम्पर्क करना चाहते हैं उन्हे अपने शोधपत्र की एक प्रति के साथ पत्र व्यवहार कर भेजे और सम्पर्क करें।